

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - रिव्यू 839-तीन/08

जिला - रीव

स्थान तथा दिनांक	प्रत्यक्ष/सहाय आदेश	प्रकरण सं. अभिभाषकों का हस्ताक्षर
1.10.14	<p>प्रकरण का अवलोकन किया । यह पुनरावलोकन मेरे पूर्वाधिकारी द्वारा प्रकरण क्रमांक निग. 280-तीन/07 में पारित आदेश दिनांक 16-5-08 के विरुद्ध म0प्र0 मू-राजस्व संहिता 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 54 के तहत प्रस्तुत किया गया है ।</p> <p>2- उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया एवं प्रकरण का अध्ययन किया गया । निम्नलिखित तीन आधार विद्यमान होने पर ही पुनरावलोकन आवेदन स्वीकार किया जा सकता है :-</p> <p>1- नई एवं महत्वपूर्ण बात/साक्ष्य का पता चलना जो उस समय जब आदेश पारित किया गया था, सम्यक तत्परता के पश्चात भी नहीं मिल पाई थी.</p> <p>2- अभिलेख से प्रकट कोई भूल/गलती.</p> <p>3- कोई अन्य पर्याप्त कारण</p> <p>आवेदक की ओर से पुनरावलोकन का जो आवेदन पेश किया है उसके परीक्षण से उक्तांकित आधारों में से कोई आधार विद्यमान होना नहीं पाया जाता इसलिए इस पुनरावलोकन आवेदन में कोई बल नहीं होने से यह पुनरावलोकन प्रकरण निरस्त किया जा रहा है । उभयपक्ष सूचित हों एवं अभिलेख वापिस हों ।</p>	<p>(ए.म.के.सिंह) सहाय राजस्व मंडल, म0प्र0, ग्वालियर</p>

CANCELLED

न्यायालय भारतीय राजस्व मण्डल अथ प्रदेश न्यायालय

प्रकरण क्रमांक:- /2008 रीवा/पुनर्वितरण

रिज- 839-27/08

पुष्पेंद्र सिंह पुन श्री विरचनाथ इत

निवासी- अजरंग नगर जिला रीवा म.प्र.

जना

- 1- आशुतोष मोहन भुप्ता पुन मदन मोहन भुप्ता निवासी-मणिकीप गांधीनगर जिला लखीमपुर खीरी जिला रीवा
- 2- मैतली रायल टावरगर रिस्ताई बांधेवगड मंडलराज फर्म द्वारा आशुतोष मोहन पुन
- 3- पवन कुमार भुप्ता पुन श्री शंकरनाथ पुन निवासी- अजर नगर के जाने व्यक्त रीवा म.प्र. -----

मामलेक नामा, श्रीमान

22/07/08 मसुदा

22-7-08

मामलेक नामा कांयवली
22-6-08